नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकाल सन्ध्यावन्दन, अग्निकार्य, भोजनविधि, यज्ञोपवीतधारणविधि, ब्रह्मयज्ञविधि, पाणिनीय शिक्षा, आरण्यक - 1, 3, 4 प्रश्न । उपनिषद् - 1, 2, 3, 4 प्रश्न					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथमद्वितीय पक्ष	त्रिकाल सन्ध्यावन्दन		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
2	तृतीय पक्ष	अग्निकार्यम्		5	
3	चतुर्थ पक्ष	भोजनविधि, यज्ञोपवीतधारणविधि		5	
4	पञ्चम पक्ष	ब्रह्मयज्ञविधि		5	
5	षष्ठ पक्ष्	पाणिनीय शिक्षा	60 श्लोकाः	5	
6		तैत्तिरीयारण्यक - प्रथम प्रश्न		20	
	सप्तम पक्ष	* भद्रङ्कर्णेभिः से अग्निश्च जातवेदाश्च	33		
	अष्टम पक्ष	* अग्निश्च जातवेदाश्च से योऽसौ तपन्नुदेति	30		
	नवम पक्ष	* योऽसौ तपन्नुदेति से चतुष्टय्य आपः	34		
	दशम पक्ष	* चतुष्टय्य आपः से प्रश्नान्त पर्यन्त	35		
7		आरण्यक - तृतीय प्रश्न		10	
	एकादश पक्ष	* चित्तिस्रुक् से सहस्रशीर्षा पुरुष	32		
	द्वादश पक्ष	* सहस्रशीर्षा से प्रश्नान्त तथा-			
8		आरण्यक - चतुर्थ प्रश्न		15	
		- ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः पर्यन्तम्	32		
	त्रयोदश पक्ष	* ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः से घर्म या ते दिवि	30		

	चतुर्दश पक्ष	* घर्म या ते दिवि से पृथिवी समित्	40		
	पञ्चदश पक्ष	* पृथिवी समित् से प्रश्नान्त तथा-			
9		तैत्तिरीयोपनिषद् - प्रथम प्रश्न		5	
	षोडश पक्ष	प्रथम प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	36		
10		उपनिषद् - द्वितीय-तृतीय प्रश्न		5	
	सप्तदश पक्ष	* सम्पूर्ण द्वितीय, तृतीयप्रश्न समाप्ति पर्यन्त	22		
11		उपनिषद् - चतुर्थ प्रश्न		15	
	अष्टादश पक्ष	* अम्भस्यपारे से आदित्यो वा एषः	30		
	एकविंश पक्ष	* आदित्यो वा एषः से देवकृतस्यैनसः	46		
	विंश पक्ष	* देवकृतस्यैनसः से प्रश्नान्त पर्यन्त	25		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			425 पञ्चाशत्		

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
प्रथमाष्टक सम्पूर्ण। द्वितीयाष्टक - 1, 2, 3 प्रश्न ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		प्रथमाष्टक - प्रथम प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* ब्रह्मसन्धत्तम् से प्रजापतिर्वाचमपश्यत्	34		
	द्वितीय पक्ष	* प्रजापतिर्वाचमपश्यत् से प्रजापतिः प्रजाः	40		
	तृतीय पक्ष	* प्रजापतिः प्रजाः से प्रश्नान्त तथा-			
2		प्रथमाष्टक - द्वितीय प्रश्न		5	
		- नवैतान्यहानि भवन्ति पर्यन्त	33		
	चतुर्थ पक्ष	* नवैतान्यहानि से प्रश्नान्त तथा-			
3		प्रथमाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
		- देवा वै यदन्यैर्ग्रहैः पर्यन्त	37		
	पञ्चम पक्ष	* देवा वै यदन्यैर्ग्रहैः से सप्तान्नहोमाञ्जुहोति	33		
	षष्ठ पक्ष	* सप्तान्नहोमाञ्जुहोति से प्रश्नान्त तथा-			
4		प्रथमाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		10	
		- नि वा एतस्याहवनीयः पर्यन्त	34		
	सप्तमःपक्षः	* नि वा एतस्याहवनीयः से प्रजा वै सत्रमासत	35		
	अष्टम पक्ष	* प्रजा वै सत्रमासत से प्रश्नान्त तथा-			
5		प्रथमाष्टक - पञ्चम प्रश्न		10	
		- ऋतमेव परमेष्ठि पर्यन्त	35		
	नवम पक्ष	* ऋतमेव परमेष्ठि से तस्यावाचोवपादात्	34		
	दशम पक्ष	* तस्यावाचोवपादात् से प्रश्नान्त तथा -			
6		प्रथमाष्टक - षष्ठ प्रश्न		10	
		- प्रजापतिस्सविता भूत्वा पर्यन्त	33		
	एकादश पक्ष	* प्रजापतिस्सविता भूत्वा से अग्नयेदेवेभ्यः	32		
	द्वादश पक्ष	* अग्नये देवेभ्यः से प्रश्नान्त तथा-			

7		प्रथमाष्टक - सप्तम प्रश्न		10	
		- रक्षिनामेतानि हवी२षि पर्यन्त	31		
	त्रयोदश पक्ष	* रक्षिनामेतानि हवी२षि से इन्द्रस्य वज्रोसि	37		
	चतुर्दश पक्ष	* इन्द्रस्य वज्रोसि से प्रश्नान्त तथा-			
8		प्रथमाष्टक - अष्टम प्रश्न		5	
		- यत्रिषु यूपेष्वालभेत पर्यन्त	32		
	पञ्चदश पक्ष	* यत्रिषुयूपेष्वालभेत से प्रश्नान्त तथा-			
9		द्वितीयाष्टक - प्रथम प्रश्न		10	
		- रुद्रो वा एषः पर्यन्त	32		
	षोडश पक्ष	* रुद्रो वा एषः से दक्षिणत उपसृजति	35		
	सप्तदश पक्ष	* दक्षिणत उपसृजति से प्रश्नान्त तथा-			
10		द्वितीयाष्टक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- देवा वै वरुणमयाजयन् पर्यन्त	37		
	अष्टादश पक्ष	* देवा वै वरुणमयाजयन् से प्रजापतिरिन्द्रमसृजत पर्यन्त	32		
	एकोनविश पक्ष	* प्रजापतिरिन्द्रमसृजत से प्रश्नान्त तथा-			
11		द्वितीयाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
		- बह्मवादिनो वदन्ति पर्यन्त	30		
	विंश पक्ष	* ब्रह्मवादिनो वदन्ति से प्रश्नान्त पर्यन्त	34		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			680 पञ्चाशत्	100	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
द्वितीयाष्टक - 4, 5, 6, 7, 8 प्रश्न। संहिता - प्रथमकाण्ड सम्पूर्ण					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		द्वितीयाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* जुष्टो दमूना से नक्तञ्जातास्योषधे	33		
	द्वितीय पक्ष	* नक्तञ्जातास्योषधे से सप्रत्नवन्नवीयसा	40		
	तृतीय पक्ष	* सप्रत्नवन्नवीयसा से प्रश्नान्त तथा -			
2		द्वितीयाष्टक - पञ्चम प्रश्न		5	
		- वसूनान्त्वाधीतेन पर्यन्त			
	चतुर्थ पक्ष	* वसूनान्त्वाधीतेन से प्रश्नान्त तथा -			
3		द्वितीयाष्टक - षष्ठ प्रश्न		15	
		- मित्रोसि वरुणोसि पर्यन्त	36		
	पञ्चम पक्ष	* मित्रोसि वरुणोसि से होतायक्षथ्समिधाग्निम्	35		
	षष्ठ पक्ष	* होतायक्षथ्समिधाग्निं से समिद्धो अग्निस्समिधा	30		
	सप्तम पक्ष	* समिद्धो अग्निस्समिधा से प्रश्नान्त तथा -	34		
4		द्वितीयाष्टक - सप्तम प्रश्न		10	
		- प्रजापतिः प्रजा असृजत पर्यन्त	35		
	अष्टम पक्ष	* प्रजापतिः प्रजा असृजत से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
5		द्वितीयाष्टक - अष्टम प्रश्न		10	
	नवम पक्ष	* पीवोन्नाऽरयिवृधः से आ देवो यातु	39		
	दशम पक्ष	* आ देवो यातु से प्रश्नान्त पर्यन्त	40		

6		संहिता - प्रथम काण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	एकादश पक्ष	* इषे त्वा से प्रश्नान्त पर्यन्त	37		
7		प्रथम काण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
	द्वादश पक्ष	* आप उन्दन्तु से प्रश्नन्त पर्यन्त	34		
8		प्रथमकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
	त्रयोदश पक्ष	* देवस्य त्वा से प्रश्नान्त पर्यन्त	31		
9		प्रथमकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	चतुर्दश पक्ष	* आ ददे ग्रवासि से उदुत्यञ्जातवेदसम्	42		
	पञ्चदश पक्ष	* उदुत्यञ्जतवेदसम् से प्रश्नान्त तथा -			
10		प्रथमकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- अयज्ञो वा एषः पर्यन्त	35		
	षोडश पक्ष	* अयज्ञो वा एषः से प्रश्नान्त तथा -			
11		प्रथमकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		10	
		- अग्निर्मा दुरिष्टात् पर्यन्त	34		
	सप्तदश पक्ष	* अग्निर्मा दुरिष्टात् से यो वै सप्तदशम्	31		
	अष्टादश पक्ष	* यो वै सप्तदशम् से प्रश्नान्त तथा -			
12		प्रथमकाण्ड - सप्तम प्रश्न		5	
		- ध्रुवाँवै रिच्यमानाम् पर्यन्त	33		
	एकोनविश पक्ष	* ध्रुवाँवै रिच्यमानाम् से प्रश्नान्त तथा-			
13		प्रथम काण्ड - अष्टम प्रश्न		10	
		- सोमाय पितृमते पर्यन्त	37		
	विंश पक्ष	* सोमाय पितृमते से प्रश्नान्त पर्यन्त	36		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			706 पञ्चाशत्	100	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
तृतीयाष्टक - 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 प्रश्न । संहिता - चतुर्थकाण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		तृतीयाष्टक - प्रथम प्रश्न		5	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* अग्निर्नः पातु से मित्रो वा अकामयत	41		
	द्वितीय पक्ष	* मित्रो वा अकामयत से प्रश्नान्त तथा-			
2		तृतीयाष्टक - द्वितीय प्रश्न		15	
		- पूर्वेद्युरिद्ध्माबर्हिः पर्यन्तम्	37		
	तृतीय पक्ष	* पूर्वेद्युरिद्ध्मा से धृष्टिरसि ब्रह्म	34		
	चतुर्थ पक्ष	* धृष्टिरसिब्रह्म से प्रश्नान्त पर्यन्तम्	36		
3		तृतीयाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
	पञ्चम पक्ष	* प्रत्युष्टꣳ रक्षः से अग्निना वै ह्येत्रा	37		
	षष्ठ पक्ष	* अग्निना वै होत्रा से यो वा अयथादेवतम्	34		
	सप्तम पक्ष	* यो वा अयथादेवतम् से प्रश्नान्त तथा -			
4		तृतीयाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- चतुर्थ प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	27		
5		तृतीयाष्टक - पञ्चम प्रश्न		5	
	अष्टम पक्ष	* सत्यम्प्रपद्ये से प्रश्नान्त पर्यन्त	30		
6		तृतीयाष्टक - षष्ठ प्रश्न		5	
	नवम पक्ष	* अञ्जन्ति त्वा से देवम्बर्हिस्सुदेवम्	32		
	दशम पक्ष	* देवम्बर्हिस्सुदेवम् से प्रश्नान्त तथा-			

7		तृतीयाष्टक - सप्तम प्रश्न		20	
		- वि वा एषः इन्द्रियेण पर्यन्त	21		
	एकादश पक्ष	* वि वा एषः इन्द्रियेण से परिस्तृणीत	38		
	द्वादश पक्ष	* परिस्तृणीत से यदस्य पारे रजसः	38		
	त्रयोदश पक्ष	* यदस्य पारे रजसः से प्रश्नान्त पर्यन्त	38		
8		संहिता - चतुर्थकाण्ड प्रथम प्रश्न		5	
	चतुर्दश पक्ष	* युञ्जानः प्रथमं से यदग्ने यानि	37		
	पञ्चदश पक्ष	* यदग्ने यानि से प्रश्नान्त तथा-			
9		चतुर्थकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
		- मा नो हि꣣सीत् पर्यन्त	37		
	षोडश पक्ष	* मा नो हि꣣सीत् से प्रश्नान्त तथा-			
10		चतुर्थकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
		- इयमेव सा या पर्यन्त	40		
	सप्तदश पक्ष	* इयमेव स या से प्रश्नान्त तथा-			
11		चतुर्थकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- प्रजापतिर्मनसान्धः पर्यन्त	40		
	अष्टादश पक्ष	* प्रजापतिर्मनसान्धः से प्रश्नान्त तथा-			
12		चतुर्थकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- पञ्चम - प्रश्नसमाप्ति पर्यन्त	40		
13		चतुर्थकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		5	
	एकोनविशः पक्षः	*अश्मश्नूर्जम् से ये वाजिनम्	42		
	विंश पक्ष	* ये वाजिनम् से प्रश्नान्त तथा-			
14		चतुर्थकाण्ड - सप्तम प्रश्न		5	
		- सप्तम प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	43		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			724 पञ्चाशत्	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
तृतीयाष्टक - 8, 9 प्रश्न । काठक आरण्यक - 2, 5, 6 प्रश्न । संहिता - तृतीयकाण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		तृतीयाष्टक - अष्टम प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* साङ्ग्रहण्येष्ट्या यजते से प्रजापतिरकामयताश्वमेधेन	36		
	द्वितीय पक्ष	* प्रजापतिरकामयताश्वमेधेन से एकयूपो वैकादशिनी	38		
	तृतीय पक्ष	* एकयूपो वैकादशिनी से प्रश्नान्त तथा-			
2		तृतीयाष्टक - नवम प्रश्न		15	
		- तेजसा वा एषः पर्यन्त	36		
	चतुर्थ पक्ष	* तेजसा वा एषः से अप वा एतस्मात्	34		
	पञ्चम पक्ष	* अप वा एतस्मात् से प्रश्नान्त पर्यन्त	33		
3		काठक - प्रथम प्रश्न		5	
	षष्ठ पक्ष	* संज्ञानँविज्ञानम् से इयँवाव सरघा	37		
	सप्तम पक्ष	* इयँवाव सरघा से प्रश्नान्त तथा-			
4		काठक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- अग्नाविष्णू सजोषसा पर्यन्त	37		
	अष्टम पक्ष	* अग्नाविष्णू सजोषसा से प्रश्नान्त पर्यन्त	37		
5		काठक - तृतीय प्रश्न		5	
	नवम पक्ष	* तुभ्यन्ता अङ्गिरस्तमा से यश्चामृतँयत्	34		
	दशम पक्ष	* यश्चामृतँयत् से प्रश्नान्त तथा-			
6		आरण्यक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- यददीव्यन्नृणमहम् पर्यन्त	25		
	एकादश पक्ष	* यददीण्यन्नृणमहम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	19		

7		अरण्यक - पञ्चम प्रश्न		15	
	द्वादश पक्ष	* देवा वै सत्रमासत से ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः	29		
	त्रयोदश पक्ष	* ब्रह्मन्प्रयरिष्यामः से विश्वा अशा दक्षिणसत्	40		
	चतुर्दश पक्ष	* विश्वा अशा दक्षणिसत् से प्रश्नान्त पर्यन्त	39		
8		आरण्यक - षष्ठ प्रश्न		5	
	पञ्चदश पक्ष	* परेयुवा२सम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	27		
9		तृतीयकाण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	षोडश पक्ष	* प्रजापतिरकामयत से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
10		तृतीयकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
	सप्तदश पक्ष	* यो वै पवमानानाम् से उपयामगृहीतोसि	41		
	अष्टादश पक्ष	* उपयामगृहीतोसि से प्रश्नान्त तथा-			
11		तृतीयकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
		- तृतीयप्रश्न समाप्ति पर्यन्त	41		
12		तृतीयकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	नवदश पक्ष	* विवा एतस्य से त्वमग्ने बृहद्वयः	40		
	विंश पक्ष	* त्वमग्ने बृहद्वयः से प्रश्नान्त तथा-			
13		तृतीयकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- पञ्चम प्रश्न समाप्त पर्यन्त	42		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			707 पञ्चाशत्	100 अंक	